>

Title: Need to repair railway bridge in Simaria Ghat on Ganga river in Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): महोदया, आसन ने जीरो ऑवर में इस विषय को उठाने का आदेश दिया है, इसके लिए मैं आपके प्रति आभार प्रकट करता हूं।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record except what Shri Bhola Singh ji says.

*(Interruptions) â€¦ **

डॉ. भोला सिंह : महोदया, आप जानती हैं कि रेल मंत्रालय के अंतर्गत गंगा नदी पर सिमरिया घाट पर 1959 ईसवी में रेलवे पुल एवं सड़क पुल का निर्माण किया गया था। 1959 ईसवी में बाबू जी श्री जगजीवन राम जी रेलवे मंत्रालय के मंत्री थे।...(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): मैंने भी एक महत्वपूर्ण विषय उठाने के लिए नोटिस दिया है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपको एशोसिएट कर देंगे।

डॉ. भोला सिंह : उस समय पंडित जवाहर लाल नेहरू प्रधानमंत्री थे और उन्होंने उस पुल का उद्घाटन किया था। श्री रामधारी सिंह दिनकर, राष्ट्रीय कवि उस समय उनके साथ थे। स्वर्गीय जगजीवन राम जी उसकी अध्यक्षता कर रहे थे। आज सिमरिया का वह पुल मृत्यु-शैय्या पर पड़ा हुआ है। छः महीने से उस पुल के बंद रहने के कारण गाड़ियों का आना-जाना बंद है, लोगों का जीना हराम हो गया है, बिहार सरकार परेशान है, इसलिए मैं आपके माध्यम से केन्द्रीय सरकार से, रेलवे मंत्रालय से आग्रह करना चाहता हूं कि सिमरिया पुल, जो भारत की अस्मिता का प्रतीक है, जो बिहार के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को दिया हुआ बाबू जी का उपहार है, को मरने से बचाने के इसकी मरम्मत के साथ-साथ सिमरिया में इसके समानांतर दूसरा रेलवे पुल बनाया जाए। इस ओर मैं सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूं।

MADAM SPEAKER: Rest of the 'Zero Hour' matters will be taken up at the end of the day.

...(*Interruptions*)

-